ई–बुलेटिन

कृषिउद्यमी

प्रतीयमान अनुभव को बांटने वाला मंच

खंड –VI अंक –3 जून–2014

प्रत्येक कृषक द्वारा बेहतर कृषि

इस अंक में:

- कृषि उद्यमियों को कुछ सुझाव
- इस माह के कृषि उद्यमी. डॉ. गजेन्द्र कुमार बमानिया
- इस माह का **संस्थान** जेएआरडीएस – उत्तरप्रदेश
- down-loadprojectport.com

कृषिउद्यमी की मुफ्त हेल्पलाइन का उपयोग करें

1800 -425-1556

" कृषि उद्यमिता एक ऐसा प्रतीयमान मंच है जहां कृषि उद्यमियों, बैंकरों, कृषि व्यवसाय कंपनियों, नोडल प्रशिक्षण संस्थानों, विस्तार कार्यकर्ताओं, शिक्षाशास्त्रियों, अनुसंधानकर्ताओं तथा कृषि व्यवसाय चिंतकों, जो देश में कृषि उद्यमिता विकास के लिए कार्य कर रहे हैं, के अनुभवों को सबके साथ बांटा जाता है।

बैंकरों के साथ 'विश्वसनीयता' का संवर्धन–कृषि उद्यमियों को कुछ सुझाव

ऋण की मंजूरी के लिए किसी ऋण प्रस्ताव की संवीक्षा करते समय, बैंकर द्वारा सबसे अधिक महत्व, प्रस्तावित की 'विश्वसनीयता' को दिया जाता है। बैंकर अधिकतर, ग्राहक की विश्वसनीयता के संबंध में, बाजार से सुनिश्चित जानकारी प्राप्त करने के साथ–साथ ग्राहक द्वारा अपने ऋण प्रस्ताव में दी गई जानकारी पर ही निर्भर रहता है।

एसी व एबीसी योजना में, विश्वसनीयता का भार कृषिउद्यमियों के कंधों पर होता है। ऐसी कुछ जानकारियाँ जो बैंकर और ग्राहक (उधारकर्ता) के बीच विश्वसनीयता को बढ़ाने में सहायक होती है वे निम्नलिखित हैं –

- ग्राहक के स्थायी आवासीय (घर का) पता, ताकि ऋण अदायगी में विलंब होने की स्थिति में, बैंकर किसी भी समय उसके घर जा सके/संपर्क कर सके।
- उस क्षेत्र में कृषिउद्यमी की सामाजिक–आर्थिक अवस्थिति की जानकारी।
- कृषिउद्यमी के माता–पिता तथा ग्राहक की (यदि अलग से हों) **संपत्ति** एवं दायित्वों के संबंध में जानकारी ।
- अपने पुत्र/पुत्री को एक सफल कृषि उद्यमी बनाने में, उसके माता–पिता द्वारा ली जाने वाली रूचि की सीमा ।
- आवेदन पत्र तथा ग्राहक की चैतन्यता, से अभिव्यक्त कृषिउद्यमी की गंभीरता द्वारा परिलक्षित, प्रस्तावित वेंचर का स्थायित्व एवं दीर्घकालिकता ।
- कृषिउद्यमी द्वारा के.वाई.सी (अपने ग्राहक को जानिए) के सभी मानकों का अनुपालन ।
- कृषिउद्यमी द्वारा बैंकर को की जाने वाली सहायता एवं सहयोग विशेषकर अपने गाँव/मंडल में ऋण की वसूली के मामले में ।

इसीलिए इन क्षेत्रों में नोडल प्रशिक्षण संस्थानों (NTI) द्वारा कृषिउद्यमियों को प्रशिक्षित करना आवश्यक होता है। इसके साथ–साथ यह सुनिश्चित करना भी जरूरी है कि, कृषि उद्यमियों की विश्वसनीयता तथा ऋण योग्यता से संबंधित संगत जानकारी का समावेश उनकी परियोजना प्रस्ताव रिपोर्ट में किया गया हो। नोडल प्रशिक्षण संस्थानों को यह सुझाव दिया जाना चाहिए कि वे अपने 60 दिवसीय कोर्स मॉड्यूल में 'बैंकरों के साथ संबंध प्रबंधन' विषय पर एक सत्र अवश्य आयोजित करें जिससे कि बैंकरों द्वारा अस्वीकृति की दर में कमी आ सके। (श्री एम. राममोहन राव–भूतपूर्व परामर्शक, सी ए डी, मैनेज)

राष्ट्रीय कृषि प्रबंधन विस्तार संस्थान, कृषि तथा सहयोग विभाग, कृषि मंत्रालय राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक

एक्सेल ब्रीडिंग एवं लाइवस्टॉक प्रा.लि. में, डॉ. गजेन्द्र कुमार कांतिलाल बमानिया द्वारा वैज्ञानिक डेरी का संपूर्ण समाधान

'साहस बाजुओं में नहीं बल्कि आपकी इच्छाशक्ति में होना चाहिए' – यह मानना है, एक 33 वर्षीय पशुचिकित्सक डॉ. गजेन्द्रकुमार बमानिया का जिन्होंने अंतर्राष्ट्रीय कृषिव्यापार । प्रबंधन में एम.बी.ए. किया है और उन्हें दस वर्ष का कार्य अनुभव भी है। डेरी तथा डेरी फार्मरों की बेहतरी हेतु काम करने के जुनून के कारण उन्होंने अपनी नौकरी छोड़ दी और अन्तर्राष्ट्रीय लोक–नेतृत्व स्कूल (ISPL) अहमदाबाद के ए. सी. व ए.बी.सी.प्रशिक्षण कार्यक्रम में भागलिया। डॉ. बमानिया ग्रामीण क्षेत्रों में अपना व्यापार विकसित करने हेतु प्रतिबद्ध हैं, क्योंकि शहरी क्षेत्रों की तुलना में, ग्रामीण क्षेत्रों में पशु–चिकित्सा सेवाओं की अधिक आवश्यकता होती है। प्रशिक्षण की समाप्ति के बाद, अपने कार्यक्षेत्र के रूप में उन्होंने अपने पैतृत राज्य, गुजरात को चुना। श्री बमानिया कहते हैं कि 'मैंने 10वर्ष उ.प्र.राज्य में काम किया और पशु–संवर्धन के बारे में बहुत कुछ सीखा। तत्पश्चात् मैं अपने मूल राज्य में अपना व्यापार शुरू करना चाहता था।' उन्होंने अपनी फ़र्म का नाम ' एक्सेल ब्रीडिंग व लाइवस्टॉक सर्विसेज प्रा.लि.' के रूप में पंजीकृत करवाया। प्रबंधन के छात्र होने के नाते श्री बमानिया ने अपना कृषिउद्योग आरंभ करने हेतु एक वृहद् योजना बनाई। ब्रीडिंग सेवाओं का डाटा अपलोड करने के उद्देश्य से श्री बमानिया ने, एक सॉफ्टवेयर का विकास किया। उन्होंने डेरी फार्मरों एवं पशुओं की बहुलता वाले गाँवों की एक सूची बनाई। लाइव स्टॉक ब्रीडिंग सेवाओं के लिए आवश्यक समस्त इन्फ्रास्ट्रक्चर इकट्ठा कर उसे प्रयोगशाला में संस्थापित किया गया। इस व्यापार की शुरूआत में 22 अर्हता प्राप्त व्यक्तियों को नियुक्त किया गया। फ़र्म द्वारा प्रदत्त सेवाओं में निम्नलिखित शामिल हैं –

डॉ. गजेन्द्रकुमार बमानिया

- गौजातीय वीर्य की बिक्री और वितरण, विशेषतः मुरा एचएफ एवं सहिवाल के लिए। यह एक राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त फर्म है।
- पश्चिमी उत्तरप्रदेश के सभी डेरी क्षेत्रों में पशु (हर्ड) परीक्षण सेवाएँ।
- आपूर्तिकर्ताओं के पैनल के जरिये AI सुविधाओं जैसे – टैग्स, कवरों (Sheath) दस्तानों तथा अन्य फार्म उत्पादों की आपूर्ति ।
- डेरी योग्य, बैलों और गायों की खरीदी व बिक्री के समय, उनके चयन में सलाह देना ।

- वैज्ञानिक डेरी फार्म की स्थापना हेतु संपूर्ण परामर्श देना। गुजरात तथा पश्चिमी उत्तरप्रदेश तथा अहमदाबाद के प्रधान कार्यालय के डेरी फार्मरों को ब्रीडिंग सेवाएँ प्रदान करना।

श्री देवेन्द्र सिंह, सुपुत्र गुरमीत सिंह, ग्राम मथुरापुर मोर, पोस्ट चंदनपुरा, तहसील नजीबाबाद, जिला बिजनौर, के अनुसार पहले पशुपालन के लिए आम सेवाएँ प्रदान करना एक सामान्य सी बात थी। पशुओं को मैथुन के लिए एक स्थान से अन्य स्थानों पर ले जाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। इतना ही नहीं, गर्भाधान का प्रतिशत भी काफी कम हुआ करता था। कार्विंग अवधि भी 2–3 वर्ष की थी । परंतु अब वे कृत्रिम शुक्र सेचन AI सेवाओं के माध्यम से, केवल एक फोन के द्वारा उत्तम गुणता वाला ब्रीड–वीर्य, उचित/वाजिब दाम पर प्राप्त कर सकते हैं – मात्र 100 रू. प्रति AI । AI सर्विसेज़ की गुणवत्ता तथा पशु स्वास्थ्य व चारा प्रबंधन पर एक्सेल ब्रीडिंग प्रा.लि. के निरंतर मार्गदर्शन के कारण, गायों में दूध की मात्रा का प्रतिशत बढ़ा है।

डॉ. बमानिया ने समयबद्ध तरीके से किसानों को उनके द्वार तक AI सेवाएं उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से 300 AI तकनीशियनों को नियुक्त किया। AI तकनीशियनों के दैनिक डाटा बेस को मोबाइल पर अपलोड करने की व्यवस्था भी गई है। दिन दूनी रात चौगुनी तरक्की करते हुए इनका कार्यक्षेत्र बढ़ता ही जा रहा है। अब तक ये सेवाएं 300 गांवों में पहुँच चुकी है जिनके अंतर्गत 30,000 डेरी फार्मिंग–कर्मियों को कवर किया गया है। इस फ़र्म का वार्षिक टर्नओवर 2 करोड़ रूपए है। श्री बमानिया के अनुसार ''कुछ भी नामुमकिन नहीं। सामान्य प्रयासों से आप असाधारण परिणाम हासिल कर सकते हैं – यही जीवन का चमत्कार है।''

कृपया संपर्क करें ; डॉ. गजेन्द्र कुमार के बमानिया एक्सेल ब्रीडिंग एवं लाइवस्टॉक सर्विसेज़ प्राइवेट लिमिटेड टेलीफ़ोन 91 1212575335 फैक्स; +91212575336 मोबाइल +919627489580 ई.मेल गजेन्द्र बमानिया @ xcellbreeding.com, website http// www.xcellbreeding.com

उत्तर प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में मोबाइल वैन के माध्यम से एसी एवं एबीसी का प्रचार – जुबलिएंट कृषि ग्रामीण विकास सोसाइटी (JARDS) द्वारा प्रायोजित।

जुबलिएंट कृषि ग्रामीण विकास सोसाइटी द्वारा 2010 से मुरादाबाद में तथा 2013 से आगरा, उत्तर प्रदेश में एसी एवं एसीबी योजना का कार्यान्वयन किया जा रहा है। अब तक इस संस्थान द्वारा मुरादाबाद में 40 तथा आगरा में 7 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये जा चुके हैं। JARDS अब तक 1543 अभ्यार्थियों को प्रशिक्षित कर चुका है जिनमें से 856 व्यक्ति विभिन्न क्षेत्रों जैसे – बीज संसाधन, मधुमक्खी पालन, कस्टम हायरिंग, डेरी, पोल्ट्री, नर्सरी, पिगरी, माइक्रो पोषक पदार्थों का उत्पादन, रासायनिक खेती, खाद्य संसाधन तेल एक्ट्रॅक्शन यूनिट, कृषि कसल्टेंसी, पशु चारा उत्पादन आदि में सफलतापूर्वक अपना कृषि व्यापार चला रहे हैं।

एसी एवं एबीसी के प्रोन्नयन हेतु संस्थान द्वारा अपनाई जा रही उत्तम पद्धतियाँ निम्नानुसार हैं :–

- कृषि उद्यमियों को कृषि व्यापार लाइसेंस दिलवाने, फर्म के पंजीकरण तथा बैंक से ऋण प्राप्त करने हेतु प्रक्रियागत औपचारिकताएँ पूरी करने में निरंतर सहयोग प्रदान करना।
- गुणता प्रणलियों तथा बेहतर कृषि के लिए नई तकनीकों के प्रयोग के बारे में मार्गदर्शन देने हेतु स्थापित कृषि वेंचरों में वैज्ञानिक कृषक सम्मेलनों का आयोजन करना।
- ग्रामीण स्तर पर, कृषि व्यापार स्थापित करने तथा एसी एवं एबीसी योजना को लागू करने के उद्देश्य मोबाइल वैन के ज़रिए प्रचार करना।
- कृषि उद्यमियों की तिमाही बैठकें आयोजित करना।

श्री रईस अहमद को ''कृषि उत्पादन आयुक्त'' द्वारा सिंडिकेट बैंक शाखा मुरादाबाद जिले की ओर 14 लाख रु. का चेक प्रदान किया

- प्रशिक्षणार्थियों को एसी एवं एबीसी के दिशानिर्देशों, कृषि व अन्य संबंधित विषयों पर आधारित विभिन्न परियोजनाओं के विवरण तथा सफल कृषि उद्यमियों के अनुभवों की जानकारी वाली डीवीडी प्रदान करना।
- स्थापित कृषि उद्यमियों में कृषि उद्यमी कौशलों के विकास के लिए पुनश्चर्या प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करवाना।
- संप्रेषण में प्रवाहिता लाने और भाषा संबंधी जानकारी में सुधार लाने हेतु स्पोकन इंग्लिश की कक्षाएं चलाना।
- मासिक कृषि पत्रिकाओं के साथ–साथ कृषि और प्रबंधन पुस्तकों से लैस एक सुविधा संपन्न पुस्तकालय का निर्माण किया गया।
- मुरादाबाद, उत्तर प्रदेश के 'कंपनी बाग' में 1,000 से अधिक कृषकों व जिला स्तर के अधिकारियों को आमंत्रित कर समापन समारोह आयोजित किया गया। मुख्य विकास अधिकारी, कृषि विभाग, मुरादाबाद ने प्रशिक्षण प्रमाण–पत्रों का वितरण किया। प्रतिभागियों के लाभ के लिए कृषि उद्यमियों ने विभिन्न विषयों पर आधारित स्टॉलें भी लगाई।
- इन कृषक–सम्मेलनों और मेलों में कृषि उद्यमियों को ऋण मंजूरी पत्र बैंक अधिकारियों द्वारा व्यक्तिगत तौर पर सौंपे जाते हैं।

JARDS की विशिष्ट उपलब्धियाँ :–

- कुल 1543 प्रत्याशियों को प्रशिक्षित किया गया, जिनमें से 856 लोग सफल कृषि उद्यमी हैं। सफलता की 55.47% दर हासिल हुई।
- श्री रईस अहमद (उ.प्र. 9087) को कृषि कंसल्टेंसी के प्रोन्नयन के लिए उत्तर प्रदेश के ''कृषि उत्पादन आयुक्त'' द्वारा सिंडिकेट बैंक कांत शाखा मुरादाबाद जिले की ओर 14 लाख रु. का चेक ऋण मंजूरी पत्र प्रदान किया गया।
- श्री पुष्पेन्द्र (यू.पी. 8107–कृषि कंसल्टेंसी), श्री रण बहादुर (यू.पी. 8188–कृषि) तथा श्री जमशेद(यू.पी. 8752–इनपुट डीलरशिप) की तीर्थकर महावीर विश्वविद्यालय में – कृषि उद्यमी : चुनौतियां, मुद्दे एवं पद्धतियां विषयक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान सम्मानित किया गया।

श्री दीपक मेंदिराता
नोडल अधिकारी

JARDS का संपर्क पता ;

एग्री क्लीनिक्स एवं कृषि व्यापार कक्ष जिला मुरादाबाद (यू.पी.) पिन कोड– 244001, फोन मोबाइल 09412475302, 08191820983, ई. मेल आई. डी. एग्रीक्लीनिक mbd2009@gmail.com

कृषि उद्यमियों के लिए बैंक योग्य रिपोर्ट अब बस कुछ ही क्लिकों की दूरी पर

विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (DPR) बैंक से ऋण प्राप्ति का एक अनिवार्य प्रलेख (दस्तावेज) होती है। पर्याप्त विवरण शामिल करते हुए इसे बहुत ही सावधानीपूर्वक तैयार करना चाहिए जिससे वित्तीय संस्थानों से अनुमोदन और ऋण हासिल करने में कोई असुविधा न हो। www.downloadprojectreport.com. कृषि उद्यमियों को इंस्टेंट ऑनलाइन परियोजना रिपोर्ट तैयार करने में पूरी सहायता करता है। यह एक आसान और यूज़र फ्रेंड्ली ऑनलाइन प्रणाली है जो कृषि उद्यमियों को अपनी खुद की परियोजना रिपोर्ट को समझकर उसे तैयार करने में सहायता करती है। www.downloadprojectreport.com. एक योग्य और सक्षम शोध टीम द्वारा चलाया जाता है जिसमें चार्टर्ड अकाउंटेंट्स, परामर्शक, विषय विशेषज्ञ, सॉफ्टवेयर इंजीनियर तथा अनुभवी बैंक अधिकारी शामिल हैं।

श्री महेन्द्र धैबर इस www.downloadprojectrept.com. के प्रवर्तक एवं सी.ई.ओ. हैं। उन्होंने महात्मा गांधी कृषि विद्यालय राहुरी से कृषि विषय में मास्टर डिग्री हासिल की। www.downloadprojectreport.com. से जुड़ने से पहले वे नोडल अधिकारी के रूप में (MITCON Consultancy services Ltd. Pune) एसी एवं एबीसी के तहत कार्यरत् थे। इस कार्यकाल के दौरान उन्होंने विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने में कई कृषि उद्यमियों का मार्गदर्शन किया। उन्हें उद्यम–विकास और डी.पी.आर बनवाने में 12 वर्षों का अनुभव है।

कृषि उद्यमियों के लिए बैंक योग्य रिपोर्ट अब बस कुछ ही क्लिकों की दूरी पर

बैंक उपयुक्त प्रोजेक्ट रिपोर्ट के लिए यह लिंक टाइप कीजिये “http://ww.downloadprojectreport.com/. आम की उन्नत खेती, बकरी पालन, पोल्ट्री, फूलोत्पदन, फलोत्पादन, कृषि सेवा केंद्र, पशु क्लिनिक, मशरूम फार्मिंग, मछली पालन, एवं एमु फार्मिंग इत्यादि प्रोजेक्ट रिपोर्ट आप दी हुई लिंक से प्राप्त कर सकते है

www.agriclinics.net वह पोर्टल है जो एसी तथा एबीसी योजना के बारे में सूचना प्रदान करता है। यह पोर्टल पात्रता मानदंडों, प्रशिक्षण संस्थानों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, सहायता कार्यों, वित्त विकल्पों तथा भावी उद्यमियों को सब्सिडी प्रदान करने के संबंध में अद्यतन जानकारी देता है।यह वेबसाइट स्थापित कृषि नव उद्यमों, लंबित परियोजनाओं, संबंधित योजनाओं के ब्यौरों से संबंधित सूचना तथा राज्य सरकारों, कृषि विश्वविद्यालयों, बैंकों, प्रशिक्षण संस्थानों तथा कृषि उद्यमियों के लिए उपयोगी अन्य सूचना भी प्रदान करती है।

एग्री क्लीनिकों तथा एग्रीबिजनेस केंद्रों के संबंध में अधिक स्पष्टीकरण के लिए कृपया इस पते पर मेल करें। indianagripreneur@manage.gov.in

''प्रत्येक कृषक द्वारा बेहतर कृषि''

"कृषिउद्यमी" श्री बी श्रीनिवास, आईएएस,
महानिदेशक, द्वारा प्रकाशित

हमसे संपर्क करें:
कृषि उद्यमिता विकास केन्द्र, (सीएडी)
कृषि विस्तार प्रबंधन के राष्ट्रीय संस्थान
(मैनेज), राजेन्द्रनगर, हैदराबाद,पिन-500 030, भारत
वेबसाइट: www.agriclinics.net
हेल्पलाइन नं. : 1800 425 1556 (टोल फ्री)
ईमेल helplinecad@manage.gov.in

प्रमुख संपादक : श्री वी. श्रीनिवास, आईएएस
संपादक : डा. पी. चंद्रशेखर
सहायक संपादक : डा. लक्ष्मीमूर्ति
: सुश्री ज्योति सहारे